

भारत का यजपत्र

The Gazette of India

प्रतिवारण

EXTRAORDINARY

भाग II—कांड 3—उपलब्ध (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 522] नई विल्सनी, सोमवार, विसम्बर 30, 1974/पौष 9, 1896

No. 522] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 30, 1974/PAUSA 9, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि इह घटना संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation.

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

NOTIFICATION

WEALTH-TAX

New Delhi, the 30th December 1974

S.O. 739(E).—In exercise of the powers conferred by section 46 of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Wealth-tax Rules, 1957, namely:—

1. (1) These rules may be called the Wealth-tax (Fourth Amendment) Rules, 1974.
- (2) They shall come into force from the 1st day of April, 1975.
2. In the Wealth-tax Rules, 1957, in Form A,—
 - (a) in ANNEXURE I, after the words, figures, brackets and letter "Amount exempt under section 5(1)(iva)", the words, figures, brackets and letter "read with section 5(1A)" shall be inserted;
 - (b) in ANNEXURE II, after the words, figures, brackets and letter "Amount exempt under section 5(1)(iva)", the words, figures, brackets and letter "read with section 5(1A)" shall be inserted;
 - (c) in ANNEXURE V, for the words, brackets, figures and letter "Amount exempt to the extent mentioned in sub-section (1A) of section 5 [to the extent not availed of]", the words, figures, brackets and letter "Amount exempt under section 5(1A) [to the extent not availed of against the value of agricultural lands in Annexure I or II or]" shall be substituted;

(d) in ANNEXURE VI,—

(i) in the portion below item 11, after the words, figures, brackets and letter "Amount exempt under section 5(1A)", the brackets, words and figures "(to the extent not availed of against the value of agricultural lands in Annexure I or II)" shall be inserted;

(ii) for item 15, the following item shall be substituted, namely:—

15. Annuity rights [other than those which are not includible in "assets" under sec. 2(e) and those exempt under sec. 5(1)(via) or (vii)].

(iii) item 18 shall be re-numbered as item 19 and before item 19 as so re-numbered, the following item shall be inserted, namely:—

18. Value of assessee's right or interest in a policy of insurance to the extent not exempt under sec. 5(1)(vi)."

[No. 8/09/F.No. 143(7)/74-TPL]

O. P. BHARDWAJ,

Secy. Central Board of Direct Taxes.

हिन्दीय प्रत्यक्षकर बोर्ड

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 30 दिसम्बर, 1974

का. प्रा. 739(अ).—धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की वारा 46 द्वारा प्रदत्त जक्षियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर और धन-कर नियम, 1957 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाया है, अर्थात् :—

1. (1) इस नियमों का नाम धन-कर (चतुर्थ संशोधन) नियम, 1974 है।

(2) ये 1975 के अव्रेन के प्रथम दिन से प्रवृत्त होंगे।

2. धन-कर नियम, 1957 में प्रलिप्त करने—

(क) उपावन्ध 1 में "धारा 5(1) (jvक)" शब्द, अंकों, कोष्ठकों और अक्षर से पूर्व "धारा 5 (1क) के साथ पठित" शब्द, अंक, कोष्ठक और अक्षर अन्तःस्थापित किए जाएंगे;

(ख) उपावन्ध 2 में, "धारा 5 (1) (jvक)" शब्द, अंकों, कोष्ठकों और अक्षर से पूर्व "धारा 5 (1क) के साथ पठित" शब्द, अंक, कोष्ठक और अक्षर अन्तःस्थापित किए जाएंगे।

(ग) उपावन्ध 5 में, "धारा 5 को उपधारा (1क) में वर्णित सीमा तक छूट प्राप्त रकम (उस सीमा तक जहाँ तक उपावन्ध 6 से की जगम मम्पति (गैर-कारबारी आस्तियों के मूल्य पर उमका लाभ न उठाया गया हो)" शब्दों, कोष्ठकों, अंकों और अक्षर के स्थान पर, "धारा 5 (1क) के अधीन छूट प्राप्त रकम (उस सीमा तक जहाँ तक उपावन्ध 1 या उपावन्ध 2 में की कृषिभूमियों के मूल्य पर या उपावन्ध 6 में की जगम मम्पति (गैर-कारबारी आस्तियों) के मूल्य पर उमका लाभ न उठाया गया हो)" शब्द, कोष्ठक, अंक और अक्षर रखे जाएंगे;

(घ) उपावन्ध 6 में,—

(i) मद 11 के नीचे के भाग में "धारा 5 (1क) के अधीन छूटप्राप्त रकम" शब्दों, कोष्ठकों और अक्षर के पश्चात " (उस सीमा तक जहाँ तक उपावन्ध 1 या उपावन्ध 2 में की कृषिभूमियों के मूल्य पर उगका लाभ न उठाया गया हो)" कोष्ठक, शब्द और अंक रखे जाएंगे;

(ii) मद 15 के अधान पर, निम्नलिखित मद रखी जाएगी, अर्थात् :—

“15. अधिकारियकी अधिकार (उनमें भिन्न, जी धारा 2 (३) के अधीन “आस्तियां” में सम्मत करने योग्य नहीं हैं और उनमें भिन्न जो 5(1) (viक) या (vii) के अधीन छूट प्राप्त अधिकारों से भिन्न हैं)।”;

(iii) मद 18 मद 19 के स्पष्ट में पुनर्माणकित की जाएगी और इस प्रकार पुनः संस्थानकित मद 19 में पूर्व, निम्नलिखित मद 1 अन्तस्थापित की जाएगी, अर्थात् :

“18. उस सीमा तक, जिस तक धारा 5(1) (vi) के अधीन छूट प्राप्त नहीं हैं, वीमा की पालिसी में निर्धारिती के अधिकार या हित का मूल्य।”

[सं. 809/फा. सं. 143(7)/74-टी.पी.एन.]

ओ० पी० भारद्वाज,
मन्त्रिव, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर गोड़े ।

